स्वागत उद्‌बोधन एवं विश्वविद्यालय प्रगति प्रतिवेदन

माननीय कुलपति
प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह

विश्वविद्यालयों के लिए **'दीक्षांत समारोह' 'ज्ञान का महोत्सव'** होता है। आज विश्वविद्यालय के **'नवम् दीक्षांत समारोह'** के इस विशिष्ट अवसर पर हम अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं तथा इन अविस्मरणीय क्षणों का साक्षी होने के लिए आप सभी उपस्थित आगन्तुकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

आज डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के नवम् दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहीं–

माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं इस विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी!

समारोह के मुख्य अतिथि, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति एवं न्यायशास्त्र के उद्‌भट् विद्वान, श्री काशी विद्वत् परिषद् के अध्यक्ष, पद्म भूषण से सम्मानित महामहोपाध्याय आचार्य वशिष्ठ त्रिपाठी जी!

माननीय मंत्री, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, श्री नरेन्द्र कश्यप जी!

सामान्य परिषद्, कार्य परिषद्, एवं विद्या परिषद् के सम्मानित सदस्यगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण, अधिकारीगण, एवं कर्मचारीगण, आमंत्रित गणमान्य अतिथि, विद्यार्थी एवं उनके गौरवन्वित माता–पिता एवं अभिभावक, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से पधारे पत्रकार बन्धु, देवियों और सज्जनों! आप सभी का मैं विश्वविद्यालय के नवम् दीक्षांत समारोह के अवसर पर हार्दिक स्वागत करता हूँ।

यह हमारे लिये परम सौभाग्य का विषय है कि विश्वविद्यालय सतत् प्रगति पथ पर अग्रसर होते हुए इस भव्य अटल प्रेक्षागृह में अपना नवम् दीक्षांत समारोह आयोजित कर रहा है। यह सुविदित है कि दिव्यांगजनों के शैक्षणिक उन्नयन के माध्यम से उन्हें सशक्त बना कर समाज की मुख्य धारा में समावेशित करने हेतु कृत संकल्पित यह विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के नये आयाम गढ़ रहा है।

दिव्यांगजनों को पूर्णतया बाधारहित वातावरण में उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिये इस विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा वर्ष 2008 में की गई। वर्तमान में 06 संकायों के अन्तर्गत 29 विभागों में संचालित पाठ्यक्रमों में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध की उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक समावेशी शिक्षा पद्धति से आकृष्ट होकर भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी यहाँ अध्ययनरत् हैं। इस विश्वविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा, भोजन एवं छात्रावास इत्यादि की निःशुल्क सुविधांए प्रदान की जा रही हैं।

आप सभी को अवगत कराते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि यह विशिष्ट विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा की प्राप्ति में आ रहे व्यवधान एवं चुनौतियों के समाधान हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है।

इसी क्रम में, उच्च शिक्षा में श्रवण बाधित विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा इन्टरमीडिएट स्तर का **प्री डिग्री कोर्स फॉर डेफ स्टूडेंट्स** संचालित किया जा रहा है। इसका मूल लक्ष्य उन श्रवणबाधित विद्यार्थियों को सांकेतिक भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना है, जो किन्हीं कारणों से हाईस्कूल से आगे की पढ़ाई जारी नहीं रख सके हैं। इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् इन्हें उच्च शिक्षा के विभिन्न शाखाओं में अध्ययन के पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हो रहे हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में **डेफ कॉलेज** की भी स्थापना की गई है।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के अध्ययन को सुगम बनाने हेतु **ब्रेल लिपि** में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। वर्तमान सत्र में माननीय कुलाध्यक्ष महोदय द्वारा दिनांक 14 जुलाई 2022 को इसकी एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में **ब्रेल प्रेस** का उद्घाटन किया गया। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय परिसर में **'टॉकिंग बुक स्टूडियो'** की स्थापना की गई है। इस स्टूडियो में दृष्टिबाधित विद्याथियों को ध्वनि आधारित अध्ययन सामग्री सुलभ है। विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की ब्रेल लिपि में पुस्तकें, पत्र एवं पत्रिकायें भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में लुई ब्रेल के 213 वीं जंयती के अवसर पर 135 दृष्टिबाधित दिव्यांगजन विद्यार्थियों को स्मार्ट केन भी वितरित किया गया है।

दिव्यांगजनों को निःशुल्क अंग प्रदान किए जाने हेतु विश्वविद्यालय में **'कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र'** स्थापित है, जिसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं वरन् देश भर के लगभग 2087 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा संकाय के अन्तर्गत संचालित प्रॉस्थेटिक्स एवं आर्थोटिक्स में परास्नातक (एम0पी0ओ0) की मान्यता भारतीय पुनर्वास परिषद् नई दिल्ली से प्राप्त हुई है। यह प्रदेश का पहला ऐसा केन्द्र है जिसे भारत सरकार द्वारा एम0पी0ओ0 की मान्यता प्रदान की गयी है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय पुनर्वास परिषद्, बार काउन्सिल ऑफ इंडिया, ए.आई.सी.टी.ई. एवं अन्य राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के सुचारू संचालन हेतु समय–समय पर प्रदत्त दिशा–निर्देशों के अनुपालनार्थ हमारा विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। मुझे आप सभी को अवगत कराते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को राज्य सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सत्र 2021–22 से लागू कर दिया गया है। इसके माध्यम से मानवीय मूल्यों से ओत प्रोत सुसंस्कृत युवा का निर्माण करना ही हमारा अभीष्ट है। इससे विद्यार्थियों हेतु प्रासंगिक एवं व्यावहारिक ज्ञान के अवसरों में आशातीत वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संस्तुतियों के अनुरूप कार्यपरिषद् की 38 वीं बैठक में क्रियाशील विभागों एवं संकायों को पुनर्गठित किए जाने का निर्णय लिया गया।

शैक्षिक संस्था की गुणवत्ता की स्थिति के आकलन के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन किया जाता है, जिस हेतु विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की गठित इकाई द्वारा मूल्यांकन की प्रक्रिया आरम्भ की जा चुकी है तथा विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष महोदया के समक्ष इस संबन्ध में प्रथम प्रस्तुतिकरण भी दिया जा चुका है।

विश्वविद्यालय में शिक्षण–प्रशिक्षण एवं शोध कार्य के सुचारू संपादन में शिक्षकवृंद महती भूमिका निभा रहे हैं। विभिन्न संकायों में शिक्षकों की आवश्कता के दृष्टिगत विश्वविद्यालय द्वारा आचार्य, सह–आचार्य एवं सहायक आचार्य के विभिन्न संवर्गों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया जा चुका है। विज्ञापित पदों पर नियुक्तियाँ शीघ्र ही पूर्ण करने का लक्ष्य है।

किसी भी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान उसके द्वारा संपादित गुणवत्तापरक शोध से होती है। हमारा विश्वविद्यालय भी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शोध कार्य को निरन्तर प्रोत्साहित कर रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में पी0–एच0डी0 पाठ्यक्रम 2014–15 से प्रारम्भ किया गया। उल्लेखनीय है कि सत्र 2021–22 में विभिन्न संकायों के अन्तर्गत कुल 33 शोधार्थियों द्वारा शोध प्रबन्ध मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किये गए। इनमें से 29 शोधार्थियों को इस नवम् दीक्षांत समारोह में पी0–एच0डी0 उपाधि से विभूषित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय महत्व के संस्थानों से अकादमिक सहयोग हेतु सहमति ज्ञापन (MOU) संपादित किया गया है। शोध कार्य में पारदर्शिता एवं मौलिकता बनाये रखने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एन्टी प्लेगरिज्म साफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय निरन्तर प्रयासरत है कि इस संस्था से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार एवं आजीविका के अवसर सुलभ हों। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल क्रियाशील है। विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त विधार्थियों का केन्द्रीय, राज्य एवं अन्य सेवाओं जैसे–उच्च शिक्षा, न्यायिक सेवा, निजी क्षेत्र में प्लेसमेंट हो रहा है। वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय के 83 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट विभिन्न संस्थानों में हुआ।

भारतीय लोकतंत्र को सुदृढ़ करने एवं यहाँ के नागरिकों में लोकतांत्रिक चेतना एवं जागृति विकसित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में भारत निर्वाचन आयोग–नई दिल्ली के निर्देशन में मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के सौजन्य से प्रदेश के विभिन्न जिलो कें रिटर्निंग आफिसर एवं असिस्टेण्ट रिटर्निंग आफिसर को डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन मैनेजमेण्ट प्रोग्राम, पोस्टल बैलेट, मतगणना, ई.वी.एम.–वीवी. पैट आदि के दृष्टिगत वर्तमान सत्र में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भारत सरकार के डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों को पूर्ति हेतु निर्धन एवं दिव्यांग विद्यार्थियों को आनलाइन माध्यम से शिक्षा में आ रहे व्यवधानों के निराकरण करने के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश सरकार की 'यूपी फ्री टैबलेट स्मार्टफोन योजना' के तहत वर्तमान सत्र में '28 अप्रैल 2022' को विश्वविद्यालय के

सामान्य परिषद् के अध्यक्ष माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा कुल 868 विद्यार्थियों को टैबलेट/स्मार्टफोन वितरित किया गया। साथ ही इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के नए भवन का शिलान्यास एवं विशेष विद्यालय के भवनों का लोकार्पण किया गया।

उच्च शिक्षा के साथ ही खेल एवं क्रीड़ा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगजनों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वर्तमान सत्र में 22 जून 2022 को माननीय मंत्री दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग श्री नरेन्द्र कश्यप जी द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त पूर्णतया बाधारहित इनडोर व आउटडोर दोनो ही प्रकार की खेल सुविधाओं से सुसज्जित विशिष्ट स्टेडियम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर तीन दिवसीय राज्यस्तरीय पैराबैडमिंटन प्रतियोगिता एवं दृष्टिबाधित क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 04 दृष्टिबधित टीमों के साथ कुल 114 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से 'सुगम दिव्यांग ई–कार्नर' का संचालन प्रारंभ किया गया है, जो दिव्यांग विधार्थियों को उनकी आवश्कताओं के अनुरूप प्रिंटिग, फोटोकॉपी एवं आनलाइन फार्म भरने की सुविधा उपलब्ध करायेगा। यह एक ऐसा प्लेटफार्म है, जो दिव्यांगो को, दिव्यागों द्वारा दिव्यागों के लिए समर्पित भाव से कार्य करेगा।

आजादी की 75 वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र में 'आजादी के अमृत महोत्सव' कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन किया गया जिसके तहत विश्वविद्यालय में व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के साथ ही विभिन्न विभागों में वाद विवाद, निंबध लेखन प्रतियोगिता, आजादी के राष्ट्रीय मूल्यों पर आधारित कार्यशाला, काव्यगोष्ठी, प्रभातफेरी, एवं खेल–कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया साथ ही 75 फीट लम्बीं पेंटिंग के माध्यम से आजादी की गाथा को चित्रित किया गया।

विश्वविद्यालय में स्थापित स्वामी विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय विद्यार्थियों, शोधर्थियों एवं शिक्षकों की आवश्यकता के दृष्टिगत स्तरीय पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं एवं अन्य आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय के 14वें स्थापना दिवस (19 सितम्बर 2022) के अवसर पर स्वामी विवेकानंद केन्द्रीय पुस्तकालय में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा एवं शोध केन्द्र की स्थापना की गयी।

विश्वविद्यालय के इस नवम् दीक्षांत समारोह में 1506 विद्यार्थियों को उपाधियों से विभूषित एवं 150 मेधावी विद्यार्थियों को पदक से अलंकृत किया जा रहा है। इसमें 70 पदक छात्राओं तथा 40 पदक छात्रों को मिले हैं। कुल 150 पदकों में 10 दिव्यांग विद्यार्थियों ने पदक प्राप्त किये हैं। इन दिव्यांग विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धि निश्चय ही प्रेरणादायी है। मैं उपाधि एवं पदक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी भावी जीवन में अपने चयनित क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान कर विश्वविद्यालय और राष्ट्र का मान बढ़ाने में सफल होंगें।